(३ घंटे) **अंक : १००**

सूचना : (१) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** है।
(२) उत्तर- पुस्तिका पर प्रश्न क्रमांक / उपप्रश्न क्रमांक अवश्य लिखें।
(३) **आई.डी.ओ.एल. (पत्राचार)** के विद्यार्थी **उत्तर–पुस्तिका** के मुखपृष्ठ पर **आई.डी.ओ.एल. (पत्राचार)** अवश्य लिखें।
(४) आवश्यक स्थानों पर काल्पनिक नाम और पते का प्रयोग करे।

१. प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ और स्वरुप स्पष्ट कीजिए। २०

अथवा

अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

२. जनसंचार माध्यमों में फिल्म और इंटरनेट का महत्व स्पष्ट कीजिए। २०

अथवा

पत्रकारिता की परिभाषा देते हुए पत्रकारिता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

३. विज्ञापन की परिभाषा देते हुए उसके स्वरुप को स्पष्ट कीजिए। २०

अथवा

'सूचना अधिकार' की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। २०

(अ) जवाहरलाल नेहरू,ग्रंथालय के ग्रंथपाल के नाते, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली को हिंदी पुस्तकों की सूची सहित क्रयादेश दीजिए।

अथवा

नालंदा महाविद्यालय,औरंगाबाद में हिंदी अधिव्याख्याता पद रिक्त है। स्वयं को प्रत्याशी मानकर प्राचार्य के नाम आवेदन का प्रारुप तैयार कीजिए।

(आ) आपके महाविद्यालय के सराहनीय प्रगती पर फीचर तैयार कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

We have come to this world to accept it, not merely to know it. We may become powerful by knowledge, but we attain fullness by sympathy. The highest education is that which does merely give. Information but makes our life in harmony with all existance. We rob the child of his earth to teach him geography of language to teach him grammer. His hunger is far the Epic, but he is supplied with chronicles of facts and dares.

५. पत्रकारिता के प्रमुख प्रकारों का सामान्य परिचय दीजिए। २०

अथवा

कम्यूटर का परिचय देते हुए उसकी उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

ह्लह्लह्ल----------